संतोष जाधव
97633 55727
95959 90200
साँई ट्रेक्लस
जेस्ट, इनोवा, टवेरा, झायलो
डिजायर, विस्टा एव सभी प्रकार की
लक्झरी गाड़ियां किराये पर उपलब्ध
मामा चौक, सिविल लाईस, गोंदिया

साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 37 | गोंदिया : गुरुवार, 22 से 28 अप्रेल 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

सेल्सटेक्स कॉलोनीवासियों का स्वास्थ्य खतरे में

कोरोना उपचार में उपयोग किया हुआ वेस्टेज फेका जा रहा कॉलोनी के पीछे

गोंदिया – कोरोना का संक्रमण व बढ़ते मौत के आंकड़ों से नागरिक पहले से ही दहशत में जी रहे है। जिसमें कुछ लापरवाह लोग जिम्मेदारी से पल्ला झाड़कर स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। शहर की सेलटैक्स कॉलोनी के पीछे कोरोना उपचार में उपयोग किया हुआ मेडिकल वेस्टेज फेके जाने की जानकारी मिलने से कॉलोनी निवासी नागरिकों ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

गोंदिया जिल्हा भाजप विद्यार्थी मोर्चा की टीम ने इस संदर्भ मे उपविभागीय अधिकारी को निवेदन देकर गंभीरता से अवगत कराया है। शहर सहित संपूर्ण जिले में इन दिनों कोरोना का संक्रमण उफान पर है। मौत के बढ़ते आंकड़े नागरिकों का मन विचलित कर रहे हैं। सरकारी या निजी किसी भी अस्पतालों मे कोरोना पॉजिटिव मरीजों पर उपचार करते समय संबंधित डॉक्टर, नर्स व अन्य कर्मचारी संक्रमण से बचने के लिए पीपीई किट व अन्य सामग्री का उपयोग करते हैं। जिसका उपयोग के बाद जलाकर या जमीन में गाड़कर नष्ट करना चाहिए। लेकिन ऐसा न करते हुए मेडिकल वेस्टेज को मोक्षधाम व सेल्सटेक्स कॉलोनी के पिछले खुले हिस्से मे फेका जा रहा है। जिससे क्षेत्र के नागरिकों का स्वास्थ्य खतरे में होने की जानकारी गोंदिया जिला भाजप विद्यार्थी मोर्चा के जिलाध्यक्ष पारस पुरोहित को मिलते ही उन्होंने उपविभागीय अधिकारी वंदना स्वरुपते को ज्ञापन सौंपा एवं दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। इस दौरान कुणाल वाधवानी, शुभंम शर्मा, भरत श्रीवास, भावेश चौरसिया अनुज लांजेवार आदी उपस्थित थे।

सिर्फ कोरोना पर ध्यान, अन्य मरीज बेहाल

म.फुले जनआरोग्य योजना बनी दिखावा

सरकारी अस्पतालों में ऑपरेशन बंद, निजी को परमिशन नहीं

गोंदिया - गरीब परिवारों के लोग निजी अस्पतालों में जटिल बीमारियों का महंगा इलाज नहीं कर पाते। जिससे कई बार उन्हें मौत को गले लगाने की नौबत आ जाती है। ऐसे जरुरतमंद रोगियों के लिए महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना संजीवनी साबित हो रही थी। इस योजना के माध्यम से आज तक हजारों मरीजों ने इलाज करवाकर नई जिंदगी पा चुके हैं। लेकिन १ अप्रैल से अनेक बिमारियों का इलाज बंद कर दिया गया है। जिससे जटिल बीमारियों से ग्रस्त मरीज घरों में बिस्तरों पर दम तोड़ रहे हैं। गर्भाशय की बीमारियां, अपेंडिक्स, हरनिया, पथरी, किड्नी विकार जैसी अनेक बीमारियों का इलाज महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना के तहत चुनिंदा निजी अस्पतालों में मुफ्त में हो रहा था। जिसके लिए १.५० लाख से २.५० लाख तक खर्च मंजूर था। सरकारी अस्पतालों में भारी भीड़ रहने से गंभीर मरीज योजना का लाभ लेकर निजी अस्पतालों में ऑपरेशन कर लेते थे। लेकिन २ अप्रैल २०२१ से उपरोक्त बिमारियों का इलाज निजी अस्पतालों में बंद करने की सूचना मिलने से ऑपरेशन बंद हो गए हैं। वहीं सरकारी अस्पतालों में कोरोना के कारण अन्य बीमारियों पर इलाज करना लगभग बंद किया गया है। जिससे अब गर्भाशय की बीमारियां, अपेंडिक्स, हरनिया, पथरी, किड्नी विकार जैसी अनेक बीमारियों के मरीज इलाज के बिना तड़प रहे हैं। यदि यह योजना जल्द शुरु नहीं हुई तो जिले में सैंकड़ों मरीज इलाज के अभाव में दम तोड़ देंगे। इसलिए तत्काल प्रभाव से यह योजना शुरु करने की जरुरत है।

वीडियो कॉन्फ्रेंस से रखी गई बात

महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना से संबंधित वीडियो कॉन्फ्रेंस में यह समस्या रखी गई है। जिस पर सकारात्मक जवाब मिलने से जल्द ही योजना के तहत इलाज शुरु होने की आशा है। फिलहाल योजना के तहत निजी अस्पतालों में इलाज बंद है।
- डॉ.जयंती पटले, जिला समन्वयक, म.फुले जन आरोग्य योजना

गर्भाशय की बीमारियों के मरीज अधिक

जिले में गर्भाशय की बिमारी से पीड़ित महिला मरीजों की संख्या अधिक है। जन आरोग्य योजना के तहत निशुल्क ऑपरेशन करने वाले मरीजों में इस बीमारी के लाभार्थी अधिक रहे हैं। फिलहाल योजना से सरकारी व निजी अस्पतालों में ऑपरेशन बंद होने के कारण सैकड़ों महिला मरीज आफत में आ गए हैं।

२५ से ३० अप्रैल तक थोक सब्जी व फल व्यापार रहेगा बंद

गोंदिया : थोक सब्जी व फल विक्रेता संघने २० अप्रैल को सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया है कि राज्य व जिले में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण की रोकथाम करने के लिए ब्रेक द चैन अभियान के अंतर्गत २५ से ३० अप्रैल तक थोक सब्जी व फल व्यापार बंद रखा जाएगा। जिसके तहत गोंदिया के मनोहरभाई पटेल कृषि उत्पन्न बाजार समिति मार्केट यार्ड में संपूर्ण व्यापार बंद रहेगा। कोरोना संक्रमण के बढ़ते कहर को रोकने के लिए थोक सब्जी व फल व्यापार बंद करने के निर्णय को सभी चिल्लर विक्रेताओं व आम जनता सहयोग प्रदान करें, ऐसा आवाहन संघ के अध्यक्ष राकेश ठाकुर, सचिव अरुण शुक्ला व सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा किया जाता है।

फेफड़ों के स्वास्थ्य के लिए छः मिनट का वॉक टेस्ट

स्वास्थ्य विभाग की जागरुकता

मुंबई – स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना के प्रकोप के दौरान आपके फेफड़े अच्छे स्वास्थ्य हैं या नहीं और नागरिकों को इसके बारे में जागरुक करने के लिए घर पर ही छह मिनट का वॉक टेस्ट आयोजित करने पर जोर दिया है। स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव डॉ.प्रदीप व्यास द्वारा किया गया। राज्य में स्वास्थ्य प्रणाली की हालिया समीक्षा बैठक में डॉ. व्यास ने कहा कि जिला स्वास्थ्य प्रणाली को छह मिनट के वॉक टेस्ट के बारे में अधिक जागरुकता पैदा करने की जरुरत है। इससे नागरिकों के रक्त में ऑक्सीजन की कमी के बारे में पता चलेगा ताकि जरुरतमंद मरीज को समय पर अस्पताल में भर्ती कराया जा सके।

किसे टेस्ट करना चाहिए

बुखार, ठंड लगना, खांसी या कोरोना के लक्षणों के साथ-साथ घरेलू अलगाव के रोगियों का परीक्षण किया जा सकता है।

परीक्षण करो

इस परीक्षण को करने से पहले, उंगली में एक पल्स ऑक्सीमीटर लगाए और उसे पर ऑक्सीजन रिकॉर्ड करें। फिर घर पर ही छः मिनट तक चलें। आप बहुत तेज या धीरे-धीरे न चलें बल्कि सामान्य चहल-कदमी करें। छः मिनट चलने के बाद, पुनः ऑक्सीजन के स्तर पर ध्यान दें। यदि छह मिनट तक चलने के बाद भी ऑक्सीजन का स्तर कम नहीं होता है, तो इसे अच्छा स्वास्थ्य माना जाना चाहिए। मान लीजिए कि ऑक्सीजन में एक से दो प्रतिशत की कमी आयी है, तो दिन में दो बार परीक्षण दोहराएं। यह देखने के लिए कि क्या कोई बदलाव है?

परीक्षण के परिणाम

यदि चलने के छः मिनट बाद ऑक्सीजन का स्तर ९३ प्रश से कम हो जाता है, अर्थात ऑक्सीजन का स्तर चलने की शुरुआत के पहले स्तर से ३ प्रश से अधिक तक गिर जाता है, या चलने के छः मिनट बाद सांस लेने में तकलीफ महसुस हो तो ऐसे व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया जाना चाहिए। जिन लोगों को बैठते समय सांस की तकलीफ होती है, उन्हें यह परीक्षण नहीं कराना चाहिए। ६० वर्ष से अधिक आयु के लोग ६ मिनट के बजाय ३ मिनट तक पैदल चलकर इस परीक्षण को कर सकते हैं।

रेमडेसिवीर की कालाबाजारी करते हुए तीन आरोपी हिरासत में

पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में लोकल क्राइमब्रांच की कार्रवाई

गोंदिया – कोरोना संक्रमण की महामारी विकराल रुप धारण कर चुकी है। इस महामारी में भी कुछ लोग अवसर का लाभ उठाकर कालाबाजारी करने से नहीं चुक रहे हैं। इस प्रकार की कालाबाजारी करने वालों पर पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे द्वारा कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हुए हैं। जिसके अंतर्गत २० अप्रैल को गुप्त सूचना मिली की एक व्यक्ति के पास दो रेमडेसिवीर इंजेक्शन है तथा वह ३० हजार रुपए में बिक्री कर रहा है। जिसके पश्चात उपरोक्त जानकारी के आधार पर पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के दिशानिर्देश पर उपविभागीय पोलीस अधिकारी जगदीश पांडे, शहर पुलिस निरीक्षक महेश बन्सोडे के मार्गदर्शन में लोकल क्राइमब्रांच के उपनिरीक्षक अभयसिंह शिंदे, पुलिसकर्मी सफौ लिलेंद्र बैस, पोना भेलावे, रेखलाल गौतम, तुलसीदास लुटे, अरविंद चौधरी, महेश मेहर, इंद्रजीत बिसेन, पोका विजय मानकर द्वारा गांधी वार्ड निवासी संजूकुमार बागडे के पास बोगस ग्राहक बनाकर भेजा गया। जिसमें आरोपी द्वारा दो इंजेक्शन लेकर आने पर छापामार कार्रवाई कर उसे हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ किए जाने पर उसने यह इंजेक्शन गांधी वार्ड निवासी दर्पण नागेश वानखेडे के पास से लाए जाने की बात कही। जिसे हिरासत में लिए जाने पर वानखेड़े ने बताया कि उसने यह इंजेक्शन नितेश उर्फ करण मीमराव वीचखेडे गांधी वार्ड से २० हजार में लिया है। जिस पर पथक द्वारा वीचखेडे को हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने पर उसने बताया कि गोंदिया जिला शासकीय चिकित्सालय के दवा भंडार में उपलब्ध इंजेक्शन में से अपने आर्थिक लाभ के लिए निकाल कर लाया है। जिसके पश्चात आरोपियों के खिलाफ गोंदिया शहर पुलिस थाने में भादवि की धारा ४२०, १८८, ३४ भादवि की सहायक परिशिष्ट २६ औषधि नियंत्रण कीमत आदेश २०१३, सहायक धारा ३(क), ७ जिवनावश्यक वस्तु अधिनियम १९५५, सहधारा १८(क), २७(ख), (२) औषधि व सौंदर्य प्रसाधन कानून १९४० व नियम १९५४ के तहत मामला दर्ज किया गया।

उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के मार्गदर्शन में उपविभागीय पोलीस अधिकारी जगदीश पांडे, शहर पुलिस निरीक्षक महेश बन्सोडे, उपनिरीक्षक अभयसिंह शिंदे, सफौ लिलेंद्र बैस, पोना भेलावे, रेखलाल गौतम, तुलसीदास लुटे, अरविंद चौधरी, महेश मेहर, इंद्रजीत बिसेन, पोका विजय मानकर द्वारा की गयी।

पालकमंत्री नवाब मलिक ने पत्र परिषद में जिले की समस्याओं पर खुलकर की चर्चा

स्वास्थ्य व्यवस्था में ४ गुना बढ़ोतरी, ऑक्सीजन की समस्या का हल जल्द ही, ३०० अतिरिक्त बिस्तर, आरटीपीसीआर की नई मशीन होंगी उपलब्ध – पालकमंत्री

गोंदिया जिले के नए पालकमंत्री नवाब मलिक ने १६ अप्रैल को गोंदिया के जिलाधिकारी कार्यालय के नियोजन भवन में पहली पत्र परिषद में जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना संक्रमण से लड़ने के लिए जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था में ४ गुना बढ़ोतरी की जाएंगी तथा ऑक्सीजन की कमी को जल्द से जल्द दूर किया जाएगा। साथ ही कोरोना मरीजों के लिए अतिरिक्त ३०० बिस्तर की व्यवस्था, आरटीपीसीआर जांच के लिए एक नई मशीन उपलब्ध करवाई जाएगी। जिससे जांच में गति आएगी।

गोंदिया में आयोजित इस पत्र परिषद में कोरोना महामारी के कारण उपजी जिले की विभिन्न समस्याओं पर पत्रकारों से खुलकर चर्चा करते हुए उन्होंने आगे बताया कि कोरोना का संक्रमण राज्य में तेजी से फैल रहा है। गोंदिया जिले में सितंबर २०२० तक मामलों में काफी कमी थी। लेकिन अक्टूबर माह में बढ़ोतरी हुई तथा अब फिर से मार्च २०२१ के अंत से जिले में तेजी से संक्रमण पैर पसार रहा है। जिससे निपटने के लिए शासनस्तर पर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में ४ गुना बढ़ोतरी की जाएंगी। जिसके लिए शासकीय मेडिकल कॉलेज में १०० बिस्तर की अतिरिक्त व्यवस्था तथा अस्थाई कोविड-१९ चिकित्सालय का निर्माण जलाराम लॉन में २०० बिस्तरो की व्यवस्था के साथ किया जाएगा। तिरोड़ा के उपजिला चिकित्सालय में ५० बिस्तरों की व्यवस्था जल्द से जल्द की जाएंगी तथा अस्पतालों में चिकित्सकों की नई भर्ती की जाएंगी। शासकीय मेडिकल कॉलेज में जो डॉक्टर बाहर रहते हैं उनके गोंदिया में रहने की व्यवस्था जिला अधिकारी द्वारा की जाएंगी।

ऑक्सीजन की किल्लत के संदर्भ में उन्होंने बताया कि लिक्विड ऑक्सीजन जल्द से जल्द उपलब्ध होगा तथा अदानी के सीएसआर फंड से १३ हजार लीटर की क्षमता का ऑक्सीजन प्लांट २१ अप्रैल तक शुरु हो जाएगा। इसके साथ ही ऑक्सीजन की कमी होने पर ऑक्सीजन कंटेटर की १०० मशीनों की खरीदी का आर्डर दिया गया है।

आरटीपीसीआर के लिए नई मशीन

जिले में फिलहाल आरटीपीसीआर जांच की १८०० रिपोर्ट प्रलंबित है। जांच बढ़ाने के लिए एक नई मशीन का आर्डर भी दिया गया है जो १ सप्ताह के अंदर उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही इजराइल की नई तकनीकी को भी जल्द से जल्द उपलब्ध करवाया जाएगा, जिसमें ५ मिनट में ही कोरोना की रिपोर्ट प्राप्त होंगी।

रेमडेसीविर की खरीदी जल्द ही

जीवन रक्षक इंजेक्शन रेमडेसीविर की खरीदी हो चुकी है, जो जल्द ही उपलब्ध होंगी। इसके अलावा सांसद प्रफुल पटेल के सहयोग से गुजरात की एक कंपनी द्वारा २ हजार इंजेक्शन गोंदिया-भंडारा जिले के लिए २ दिनों में उपलब्ध हो जाएंगे।

निजी चिकित्सालय में पड़ोसी राज्यों के १० प्रतिशत मरीज हो सकेंगे भर्ती

जिले में कोरोना संक्रमण से हाहाकार मचा हुआ है। जिस पर निजी चिकित्सालय में पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश के मरीजों बड़ी संख्या में है। जिससे स्थानीय लोगों को चिकित्सालय में बिस्तर नहीं मिल पा रहे हैं। इस संदर्भ में पालकमंत्री ने कहा कि जिलाधिकारी पड़ोसी जिले के जिलाधिकारी से संपर्क कर स्थिति से अवगत कराएं तथा निजी मॉनिटरिंग कर १० प्रश मरीजों को भर्ती करने की परमिशन दी जाए। हालांकि मानवता के नाते रोक नहीं लगाई जा सकती लेकिन इस संदर्भ में उपाय करना जरुरी है।

निजी चिकित्सालय को सुरक्षा

निजी चिकित्सालय में हो रहे हंगामे को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएंगी तथा उसकी मॉनिटरिंग जिला स्तरीय समिति करेंगी।

लॉकडाउन का कड़ाई से पालन

सरकार द्वारा घोषित किए गए लॉकडाउन का कड़ाई से पालन पुलिस प्रशासन द्वारा करवाया जाए तथा होमक्वारंटाइन मरीजों पर कड़ी नजर रखी जाए।

जीवनदाई योजना के अंतर्गत निशुल्क उपचार

शासन की जीवनदाई योजना के अंतर्गत जो निजी चिकित्सालय पात्र हैं उसमें कोरोना मरीजों का उपचार निशुल्क हो, इस हेतु कड़े निर्देश जिला प्रशासन को दिये गये।

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त वार्ड

जिन गर्भवती महिलाओं की कोरोना जांच करवाना अनिवार्य है तथा जिनकी जांच हो चुकी है, उनकी रिपोर्ट जब तक नहीं आ जाती, उनके लिए अतिरिक्त वार्ड का निर्माण करने का निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिया।

इस अवसर पर सांसद सुनिल मेढे, जिला अधिकारी दीपककुमार मीणा, जिप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप डांगे, पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, विधायक विनोद अग्रवाल, विधायक परिणय फुके, मनोहर चंद्रिकापुरे, सहसराम कोरोटे, अभिजीत वंजारी, विजय रहांगडाले, पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, डॉ. नरेश तिरपुड़े, जिला शल्य चिकित्सक अमरीश मोहबे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी नितिन कापसे व प्रशासन के अनेक वरिष्ठ अधिकारी तथा जिले के पत्रकार उपस्थित थे।

संपादकिय

हालात बेकाबू क्यों..?

संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों ने गंभीर चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। देश जिस अपूर्व संकट से गुजर रहा है, वैसा शायद कई दशकों में नहीं देखा गया। अस्पतालों में बिस्तरों, दवाइयों और ऑक्सीजन सिलेंडरों की भारी कमी पड़ गई है। यह स्थिति किसी एक राज्य की नहीं बल्कि महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान जैसे कई राज्यों के हालात चिंताजनक हैं। जल्द ही पश्चिम बंगाल भी इनमें शामिल हो जाए तो अचरज नहीं। इसमें अब कोई संदेह नहीं कि केंद्र और राज्य सरकारों के हाथ-पैर फूल रहे हैं। प्रधानमंत्री को एक बार फिर उच्चस्तरीय बैठक करनी पड़ी।

उन्होंने दवाइयों और ऑक्सीजन का उत्पादन बढ़ाने को कहा है। राज्य सरकारें अपने-अपने यहां स्थिति काबू में होने के दावे तो करती दिख रही हैं, लेकिन श्मशानों में लाशों के ढेर हकीकत उजागर करने के लिए काफी हैं। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर स्थिति बद से बदतर हुई क्यों? दावा यह किया जा रहा है कि पिछले एक साल में हमने काफी कुछ सीखा, पर आज जब रोंगटे खड़े कर देने वाले हालात हैं तो लग रहा है कि साल भर में हम कोई ठोस तैयारी नहीं कर पाए। पिछले साल सितंबर तक मरीजों की संख्या एक लाख के करीब पहुंची थी। तब से ही विश्व स्वास्थ्य संगठन और विशेषज्ञ सचेत करते रहे हैं कि भविष्य में आने वाली दूसरी लहरें ज्यादा तेज और घातक होंगी। सवाल है कि क्या ऐसी चेतावनियों को हमने जरा भी गंभीरता से लिया?

दैनिक संक्रमितों का आंकड़ा ढाई लाख तो पार कर ही गया और तीन लाख पहुंचने का अंदेशा है। हम अमेरिका से भी ज्यादा भयानक स्थिति में जा रहे हैं। गौर इस बात पर करने की जरुरत है कि आज लोग सिर्फ संक्रमण से दम नहीं तोड़ रहे, बल्कि समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है, इसलिए मौतों का आंकड़ा बढ़ रहा है। जरुरतमंदों को आक्सीजन नहीं मिल रही है। रेमडेसिविर जैसी दवाओं की भारी कमी है और इसकी कालाबाजारी हो रही है। अस्पतालों में अब और जगह नहीं बची है। ये हालात बता रहे हैं कि हम कुछ भी खास नहीं कर पाए। जब संक्रमितों का आंकड़ा दो से तीन लाख तक जाने का अनुमान था तो ऑक्सीजन और दवाइयों के बंदोबस्त क्या पहले से नहीं किए जाने थे? अगर चीजें उपलब्ध रहतीं तो हजारों जानें बचाई जा सकती थीं।

बहुत पहले तय हो चुका था कि महामारी से निपटने के लिए सबसे ज्यादा जोर जांच पर होना चाहिए। लेकिन कई राज्यों ने संसाधनों का अभाव बता कर व्यापकस्तर पर जांच से पल्ला झाड़ लिया। इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि संक्रमण इसीलिए तेजी से फैला। आज जांच केंद्रों पर भारी भीड़ है। लोगों को घंटों कतार में खड़े होना पड़ रहा है और रिपोर्ट आने में कई दिन लग रहे हैं। साफ है कि हम जांच के लिए भी पुख्ता ढांचा और नेटवर्क नहीं बना पाए। यह सच है कि संक्रमण के मामलों में लापरवाही बड़ा कारण बनी है। कुंभ और चुनावी रैलियों में उमड़ी भीड़ ने आग में घी का काम किया। पहली लहर के बाद जरा-सी राहत मिलते ही सरकारें निश्चितता जताने लगीं और लोग बेपरवाह हो गए। नतीजा आज सामने है। अगर एक सौ उनतालीस करोड़ की आबादी ऐसे भयानक संकट में पड़ जाए तो उससे पार पाने के लिए कैसा मजबूत तंत्र और पर्याप्त संसाधन होने चाहिए, इस बारे में विचार करने का यही मौका है।

भगवान महावीर जयंती

भगवान महावीर जैन पन्थ के २४वें तीर्थकर है। भगवान महावीर का जन्म करीब ढाई हजार वर्ष पहले (ईसा से ५९९ वर्ष पूर्व) वैशाली के **गणतन्त्र** राज्य **क्षत्रिय कुण्डलपुर** में हुआ था। तीस वर्ष की आयु में महावीर ने संसार से विरक्त होकर राज वैभव त्याग दिया और संन्यास धारण कर आत्मकल्याण के पथ पर निकल गये। १२ वर्षों की कठिन तपस्या के बाद उन्हें **केवलज्ञान** प्राप्त हुआ, जिसके पश्चात् उन्होंने **समवशरण** में ज्ञान प्रसारित किया। ७२ वर्ष की आयु में उन्हें पावापुरी से मोक्ष की प्राप्ति हुई। इस दौरान महावीर स्वामी के कई अनुयायी बने जिसमें उस समय के प्रमुख राजा बिम्बिसार, कुनिक और चेटक भी शामिल थे। जैन समाज द्वारा महावीर स्वामी के **जन्मदिवस को महावीर-जयंती** तथा उनके **मोक्ष दिवस को दीपावली** के रुप में धूमधाम से मनाया जाता है।

जैन ग्रन्थों के अनुसार समय-समय पर धर्म तीर्थ के प्रवर्तन के लिए तीर्थंकरों का जन्म होता है, जो सभी जीवों को आत्मिक सुख प्राप्ति का उपाय बताते है। तीर्थंकरों की संख्या चौबीस ही कही गयी है। भगवान महावीर वर्तमान अवसर्पिणी काल की चौबीसी के अंतिम तीर्थंकर थे और **कृषभदेव** पहले। हिंसा, पशुबलि, जात-पात का भेद-भाव जिस युग में बढ़ गया, उसी युग में भगवान महावीर का जन्म हुआ। उन्होंने दुनिया को सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया। तीर्थंकर महावीर स्वामी ने अहिंसा को सबसे उच्चतम नैतिक गुण बताया। उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताए। जो है- **अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य** (अस्तेय) और **ब्रम्हचर्य**। उन्होंने अनेकांतवाद, स्यादवाद और अपरिग्रह जैसे अद्भुत सिद्धान्त दिए। महावीर के सर्वोदयी तीर्थों में क्षेत्र, काल, समय या जाति की सीमाएं नहीं थीं। भगवान महावीर का आत्म धर्म जगत की प्रत्येक आत्मा के लिए समान था। दुनिया की सभी आत्मा एक-सी हैं इसलिए हम दूसरों के प्रति वही विचार एवं व्यवहार रखें जो हमें स्वयं को पसन्द हो। यही महावीर का **जीयो और जीने दो** का सिद्धान्त है।

जन्म :

भगवन महावीर का जन्म ईसा से ५९९ वर्ष पहले वैशाली गणतंत्र के **कुण्डलपुर** में **इक्ष्वाकु वंश** के क्षत्रिय **राजा सिद्धार्थ** और **रानी त्रिशला** के यहां चैत्र शुक्ल तेरस को हुआ था। ग्रंथों के अनुसार उनके जन्म के बाद राज्य में उन्नति होने से उनका नाम **वर्धमान** रखा गया था। जैन ग्रंथ उत्तरपुराण में वर्धमान, वीर, अतिवीर, महावीर और सन्मति ऐसे पांच नामों का उल्लेख है। इन सब नामों के साथ कोई कथा जुडी है। जैन ग्रंथों के अनुसार, २३वें तीर्थंकर **पार्श्वनाथ जी** के निर्वाण (मोक्ष) प्राप्त करने के १८८ वर्ष बाद इनका जन्म हुआ था।

विवाह :

दिगम्बर परम्परा के अनुसार महावीर बाल ब्रम्हचारी थे। भगवान महावीर शादी नहीं करना चाहते थे क्योंकि ब्रम्हचर्य उनका प्रिय विषय था। भोगों में उनकी रुचि नहीं थी। परन्तु इनके माता-पिता शादी करवाना चाहते थे। दिगम्बर परम्परा के अनुसार उन्होंने इसके लिए मना कर दिया था। श्वेतांबर परम्परा के अनुसार इनका विवाह **यशोदा** नामक सुकन्या के साथ सम्पन्न हुआ था और कालांतर में **प्रियदर्शिनी** नाम की कन्या उत्पन्न हुई जिसका युवा होने पर राजकुमार **जमाली** के साथ विवाह हुआ।

तपस्या :

भगवान महावीर का साधना काल १२ वर्ष का था। दीक्षा लेने के उपरान्त भगवान महावीर ने दिगम्बर साधु की कठिन चर्या को अंगीकार किया और निर्वस्त्र रहे। श्वेतांबर सम्प्रदाय जिसमें साधु श्वेत वस्त्र धारण करते है के अनुसार भी महावीर दीक्षा उपरान्त कुछ समय छोड़कर निर्वस्त्र रहे और उन्होंने केवलज्ञान की प्राप्ति भी दिगम्बर अवस्था में ही की। अपने पूरे साधना काल के दौरान महावीर ने कठिन तपस्या की और मौन रहे। इन वर्षों में उन पर कई ऊपसर्ग भी हुए जिनका उल्लेख कई प्राचीन जैन ग्रंथों में मिलता है।

केवलज्ञान और उपदेश :

जैन ग्रन्थों के अनुसार केवलज्ञान प्राप्ति के बाद, भगवान महावीर ने उपदेश दिया। उनके **११ गणधर** (मुख्य शिष्य) थे जिनमें प्रथम **इंद्रभूति** थे।

जैन ग्रन्थ, उत्तरपुराण के अनुसार महावीर स्वामी ने समवसरण में जीव आदि सात तत्व, छह द्रव्य, संसार और मोक्ष के कारण तथा उनके फल का नय आदि उपायों से वर्णन किया था।

पाँच व्रत :

सत्य – सत्य के बारे में भगवान महावीर स्वामी कहते हैं, हे पुरुष, तू सत्य को ही सच्चा तत्व समझ। जो बुद्धिमान सत्य की ही आज्ञा में रहता है, वह मृत्यु को तैरकर पार कर जाता है।

अहिंसा – इस लोक में जितने भी त्रस जीव (एक, दो, तीन, चार और पांच इंद्रीयों वाले जीव) है उनकी हिंसा मत कर, उनको उनके पथ पर जाने से न रोको। उनके प्रति अपने मन में दया का भाव रखो। उनकी रक्षा करो। यही अहिंसा का संदेश भगवान महावीर अपने उपदेशों से हमें देते हैं।

अचौर्य – दुसरे के वस्तु बिना उसके दिए हुआ ग्रहण करना जैन ग्रंथों में चोरी कहा गया है।

अपरिग्रह – परिग्रह पर भगवान महावीर कहते हैं जो आदमी खुद सजीव या निर्जीव चीजों का संग्रह करता है, दूसरों से ऐसा संग्रह कराता है या दूसरों को ऐसा संग्रह करने की सम्मति देता है, उसको दु:खों से कभी छुटकारा नहीं मिल सकता। यही संदेश अपरिग्रह का माध्यम से भगवान महावीर दुनिया को देना चाहते हैं।

ब्रम्हचर्य – महावीर स्वामी ब्रम्हचर्य के बारे में अपने बहुत ही अमूल्य उपदेश देते हैं कि ब्रम्हचर्य उत्तम तपस्या, नियम, ज्ञान, दर्शन, चारित्र, संयम और विनय की जड़ है। तपस्या में ब्रम्हचर्य श्रेष्ठ तपस्या है। जो पुरुष स्त्रियों से संबंध नहीं रखते, वे मोक्ष मार्ग की ओर बढ़ते हैं।

जैन मुनि, आर्यिका इन्हें पूर्ण रुप से पालन करते है, इसलिए उनके महाव्रत होते है और श्रावक, श्राविका इनका एक देश पालन करते है, इसलिए उनके अणुव्रत कहे जाते है।

दस धर्म :

जैन ग्रंथों में दस धर्म का वर्णन है। पर्युषण पर्व, जिन्हें दस लक्षण भी कहते है के दौरान दस दिन इन दस धर्मों का चिंतन किया जाता है।

क्षमा – क्षमा के बारे में भगवान महावीर कहते हैं- मैं सब जीवों से क्षमा चाहता हूं। जगत के सभी जीवों के प्रति मेरा मैत्रीभाव है। मेरा किसी से वैर नहीं है। मैं सच्चे हृदय से धर्म में स्थिर हुआ हूं। सब जीवों से मैं सारे अपराधों की क्षमा मांगता हूं। सब जीवों ने मेरे प्रति जो अपराध किए हैं, उन्हें मैं क्षमा करता हूं।

वे यह भी कहते हैं, मैंने अपने मन में जिन-जिन पाप की वृत्तियों का संकल्प किया हो, वचन से जो-जो पाप वृत्तायां प्रकट की हों और शरीर से जो-जो पापवृत्तियां की हों, मेरी वे सभी पापवृत्त्यिां विफल हों। मेरे वे सारे पाप मिथ्या हों।

धर्म – धर्म सबसे उत्तम मंगल है। अहिंसा, संयम और तप ही धर्म है। महावीरजी कहते हैं जो धर्मात्मा है, जिसके मन में सदा धर्म रहता है, उसे देवता भी नमस्कार करते हैं।

भगवान महावीर ने अपने प्रवचनों में धर्म, सत्य, अहिंसा, ब्रम्हचर्य और अपरिग्रह, क्षमा पर सबसे अधिक जोर दिया। त्याग और संयम, प्रेम और करुणा, शील और सदाचार ही उनके प्रवचनों का सार था।

मोक्ष :

तीर्थंकर महावीर का केवलिकाल ३० वर्ष का था। उनके के संघ में १४००० साधु, ३६००० साध्वी, १००००० श्रावक और ३००००० श्रविकाएं थी। भगवान महावीर ने ईसापूर्व ५२७, ७२ वर्ष की आयु में **बिहार के पावापुरी** (राजगीर) में कार्तिक कृष्ण अमावस्या को निर्वाण (मोक्ष) प्राप्त किया। उनके साथ अन्य कोई मुनि मोक्ष को प्राप्त नहीं हुए। पावापुरी में एक जल मंदिर स्थित है जिसके बारे में कहा जाता है कि यही वह स्थान है जहां से महावीर स्वामी को मोक्ष की प्राप्ति हुई थी।

हनुमान जयंती

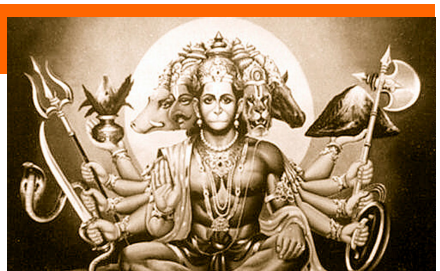

हनुमान जयंती एक हिन्दू पर्व है। यह चैत्र माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन हनुमानजी का जन्म हुआ माना जाता है। हनुमान जी को कलयुग में सबसे प्रभावशाली देवताओं में से एक माना जाता है।

विष्णुजी के राम अवतार के बाद रावण को दिव्य शक्ति प्रदान हो गई। जिससे रावण ने अपनी मोक्ष प्राप्ति हेतु शिवजी से वरदान मांगा की उन्हें मोक्ष प्रदान करने हेतु कोई उपाय बताए। तब शिवजी ने राम के हाथों मोक्ष प्रदान करने के लिए लीला रचि। शिवजी की लीला के अनुसार उन्होंने हनुमान के रुप में जन्म लिया ताकि रावण को मोक्ष दिलवा सके। इस कार्य में रामजी का साथ देने हेतु स्वयं शिवजी के अवतार हनुमान जी आये थे, जो की सदा के लिए अमर हो गए। रावण के वरदान के साथ साथ उसे मोक्ष भी दिलवाया।

हनुमान (संस्कृत : हनुमान्, आंजनेय और मारुति) परमेश्वर की भक्ति (हिंदू धर्म में भगवान की भक्ति) की सबसे लोकप्रिय अवधारणाओं और भारतीय महाकाव्य रामायण में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्तियों में प्रधान हैं। वह कुछ विचारों के अनुसार भगवान शिवजी के ११वें रुद्रावतार, सबसे बलवान और बुद्धिमान माने जाते हैं। रामायण के अनुसार वे जानकी के अत्यधिक प्रिय हैं। इस धरा पर जिन सात मनीषियों को अमरत्व का वरदान प्राप्त है, उनमें बजरंगबली भी हैं। हनुमान जी का अवतार भगवान राम की सहायता के लिये हुआ। हनुमान जी के पराक्रम की असंख्य गाथाएं प्रचलित हैं। इन्होंने जिस तरह से राम के साथ सुग्रीव की मैत्री कराई और फिर वानरों की मदद से राक्षसों का मर्दन किया, वह अत्यन्त प्रसिद्ध है।

ज्योतिषीयों के सटीक गणना के अनुसार हनुमान जी का जन्म ५८ हजार ११२ वर्ष पहले तथा लोकमान्यता के अनुसार त्रेतायुग के अंतिम चरण में चैत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र व मेष लग्न के योग में सुबह ६.०३ बजे भारत देश में आज के झारखंड राज्य के गुमला जिले के आंजन नाम के छोटे से पहाड़ी गांव के एक गुफा में हुआ था।

इन्हें बजरंगबली के रुप में जाना जाता है क्योंकि इनका शरीर एक वज्र की तरह था। वे पवन-पुत्र के रुप में जाने जाते हैं। वायु अथवा पवन (हवा के देवता) ने हनुमान को पालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

मारुत (संस्कृत : मरुत्) का अर्थ हवा है। नंदन का अर्थ बेटा है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार हनुमान **मारुति** अर्थात **मारुत-नंदन** (हवा का बेटा) हैं।

हनुमान का नामकरण

इन्द्र के वज्र से हनुमानजी की ठुठ्ठी (संस्कृत में हनु) टूट गई थी। इसलिये उनको हनुमान का नाम दिया गया। इसके अलावा ये अनेक नामों से प्रसिद्ध हैं। जैसे- बजरंग बली, मारुति, अंजनिसुत, पवनपुत्र, संकटमोचन, केसरीनन्दन, महावीर, कपीश, शंकर सुवन आदि।

हनुमान जी का रुप

हिन्दू महाकाव्य रामायण के अनुसार, हनुमान जी को वानर के मुख वाले अत्यंत बलिष्ठ पुरुष के रुप में दिखाया जाता है। इनका शरीर अत्यंत मांसल एवं बलशाली है। उनके कंधे पर जनेऊ लटका रहता है। हनुमान जी को मात्र एक लंगोट पहने अनावृत शरीर के साथ दिखाया जाता है। वह मस्तक पर स्वर्ण मुकुट एवं शरीर पर स्वर्ण आभुषण पहने दिखाए जाते है। उनकी वानर के समान लंबी पूंछ है। उनका मुख्य अस्त्र गदा माना जाता है।

हनुमान के द्वारा सूर्य को फल समझना

इनके जन्म के पश्चात् एक दिन इनकी माता फल लाने के लिये इन्हें आश्रम में छोड़कर चली गईं। जब शिशु हनुमान को भूख लगी तो वे उगते हुये सूर्य को फल समझकर उसे पकड़ने आकाश में उड़ने लगे। उनकी सहायता के लिये पवन भी बहुत तेजी से चला। उधर भगवान सूर्य ने उन्हें अबोध शिशु समझकर अपने तेज से नहीं जलने दिया। जिस समय हनुमान सूर्य को पकड़ने के लिये लपके, उसी समय राहु सूर्य पर ग्रहण लगाना चाहता था। हनुमानजी ने सूर्य के ऊपरी भाग में जब राहु का स्पर्श किया तो वह भयभीत होकर वहां से भाग गया। उसने इन्द्र के पास जाकर शिकायत की, **देवराज** आपने मुझे अपनी क्षुधा शान्त करने के साधन के रुप में सूर्य और चन्द्र दिये थे। आज अमावस्या के दिन जब मैं सूर्य को ग्रस्त करने गया तब देखा कि दूसरा राहु सूर्य को पकड़ने जा रहा है।

राहु की यह बात सुनकर इन्द्र घबरा गये और उसे साथ लेकर सूर्य की ओर चल पड़े। राहु को देखकर हनुमानजी सूर्य को छोड़ राहु पर झपटे। राहु ने इन्द्र को रक्षा के लिये पुकारा तो उन्होंने हनुमानजी पर वज्रायुध से प्रहार किया, जिससे वे एक पर्वत पर गिरे और उनकी बायीं ठुठ्ठी टूट गई। हनुमान की यह दशा देखकर वायुदेव को क्रोध आया। उन्होंने उसी क्षण अपनी गति रोक दिया। इससे संसार की कोई भी प्राणी सांस न ले सके और सब पीड़ा से तड़पने लगे। तब सारे सुर, असुर, यक्ष, किन्नर आदि ब्रम्हा जी की शरण में गये। ब्रम्हा उन सबको लेकर वायुदेव के पास गये। वे मूर्छत हनुमान को गोद में लिये उदास बैठे थे। जब ब्रम्हाजी ने उन्हें जीवित किया तो वायुदेव ने अपनी गति का संचार करके सभी प्राणियों की पीड़ा दूर की। फिर ब्रम्हाजी ने कहा कि कोई भी शस्त्र इसके अंग को हानि नहीं कर सकता। इन्द्र ने कहा कि इसका शरीर वज्र से भी कठोर होगा। सूर्यदेव ने कहा कि वे उसे अपने तेज का शतांश प्रदान करेंगे तथा शास्त्र मर्मज्ञ होने का भी आशीर्वाद दिया। वरुण ने कहा मेरे पाश और जल से यह बालक सदा सुरक्षित रहेगा। यमदेव ने अवध्य और नीरोग रहने का आशीर्वाद दिया। यक्षराज कुबेर, विश्वकर्मा आदि देवों ने भी अमोघ वरदान दिये।

कार्यक्रम

हनुमान जयन्ती को लोग हनुमान मंदिर में दर्शन हेतु जाते है। कुछ लोग व्रत भी धारण कर बड़ी उत्सुकता और जोश के साथ समर्पित होकर इनकी पूजा करते है। चूंकि यह कहा जाता है कि ये बाल ब्रम्हचारी थे इसलिए इन्हे जनेऊ भी पहनाई जाती है। हनुमानजी की मूर्तियों पर सिंदूर और चांदी का वर्क चढाने की परम्परा है। कहा जाता है राम की लम्बी उम्र के लिए एक बार हनुमान जी अपने पूरे शरीर पर सिंदूर चढ़ा लिया था और इसी कारण उन्हें और उनके भक्तों को सिंदूर चढ़ाना बहूत अच्छा लगता है जिसे चोला कहते है। संध्या के समय दक्षिण मुखी हनुमान मूर्ति के सामने शुद्ध होकर मन्त्र जाप करने को अत्यंत महत्व दिया जाता है। हनुमान जयंती पर रामचरितमानस के सुन्दरकाण्ड पाठ को पढ़ना भी हनुमानजी को प्रसन्न करता है। सभी मंदिरो में इस दिन तुलसीदास कृत रामचरितमानस एवं हनुमान चालीसा का पाठ होता है। जगह-जगह भंडारे आयोजित किये जाते है। तमिलानाडु व केरल में हनुमान जयंती मार्गशीर्ष माह की अमावस्या को तथा उड़ीसा में वैशाख महीने के पहले दिन मनाई जाती है। वहीं कर्नाटक व आंध्रप्रदेश में चौत्र पूर्णिमा से लेकर वैशाख माह के १० दिन तक यह त्योंहार मनाया जाता है।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : कार्यक्षेत्र में विरोधी आपके लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। आत्मविश्वास बनाए रखकर अपने फोकस को डगमगाने नहीं देना होगा।

वृष : सकारात्मक सोचें व अपने काम के प्रति ईमानदार रहें, कोई भी आपका बाल भी बांका तक नहीं कर पाएगा। धन बचाने की जरुरत को समझें व गैरजरुरी खर्चों से तौबा करें। माता-पिता से आर्थिक तंगी दूर होगी। व्यक्तिगत जीवन में झगड़े हो सकते हैं। गलतफहमियों को दूर करें।

मिथुन : योग्यता के अनुरुप पुरस्कार या तरक्की हासिल कर सकते हैं। नया काम शुरु करने से पहले उससे जुड़ी हर अच्छी व बुरी बात पर गौर कर लें। छात्रों को सतर्क रहने की जरुरत है।

कर्क : काम के सिलसिले में की गई यात्रा लाभ के अवसर लाएगी। एक से अधिक स्रोतों से धनलाभ होने के योग बन रहे हैं। प्रेम संबंध के लिए इम्तिहान की घड़ी है। कुछ लोग मतलब निकालने हेतु आपके सामने अच्छे से पेश आएंगे।

सिंह : काम महत्वपूर्ण है लेकिन जीवन में और भी कई मसले हैं, जो महत्वपूर्ण हैं। जीवन में तालमेल बनाए रखनी बेहद जरुरी है। योजनाओं में फेरबदल संभव है। कुछ योजनाओं में बदलाव जरुरी व हितकर होगा।

कन्या : अध्यात्म से जुड़ने के लिए अनुकूल समय है। अध्यात्म से जुड़कर उन्हें अपार मानसिक शांति का अनुभव होगा। कार्यक्षेत्र में अपने विचारों पर अमल करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। युवाओं को हिंसक प्रवृत्ति से तौबा करनी होगी।

तुला : वर्क शेड्यूल व्यस्ततम रहने के साथ-साथ रोमांचक भी रहेगा। पारिवारिक मसलों को सुलझाने के लिए हिम्मत दिखानी होगी। जीवनसाथी के साथ समस्याओं के बारे में बात करने से समाधान खोजने में मदद मिलेगी। सेहत को लेकर सजग रहेंगे।

वृश्चिक : धन कमाने के जो भी मौके मिलें, उन्हें अपने हाथ से जाने ना दें। सकारात्मक रवैया अपनाएं, परहेज करें। विलंबित मुकदमेबाजी और अदालती मामले आपके पक्ष में सुलझेंगे।

धनु : मिल रही सलाह पर गौर कर जो फायदेमंद लगे, उस पर अमल करें। लंबे समय से मकान खरीदने का सपना पूरा बच्चे जीवन में अच्छा करेंगे और अच्छी प्रगति दिखाएंगे। गृहस्थ जीवन को लेकर कुछ चिंताएं रह सकती हैं।

मकर : आपके लिए यह समय उपलब्धियों भरा रहेगा। कड़ी मेहनत से आपको अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। रोमांटिक सितारे बुलंदी पर हैं। सेहत संतोषजनक बनी रहेगी। धन निवेश करने से पहले स्कीमों के बारे में जानकारी ले लें।

कुंभ : सहकर्मी आपका साथ देने लगे हैं व आपके विचारों से सहमत होने लगे हैं। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हेतु कड़ी मेहनत करनी होगी। धन की स्थिति में लगातार सुधार होने की गुंजाइश है। आप फायदेमंद स्कीमों में निवेश कर लाभ के हकदार बनेंगे।

मीन : अपनी क्रिएटिविटी के बल पर ही आप अपने प्रतिद्वंद्वियों से कुछ हटकर करेंगे। ईमानदारी से किया गया कार्य अतिरिक्त लाभ देगा। आत्मविश्वास में गिरावट का अनुभव कर सकते हैं। प्रेम संबंध भी निराशाजनक रहेगा।

अपनी दुर्दशा पर आंसू बहाता पिपरिया लघु जलाशय

अनदेखी से दम तोड़ रहा है प्रकल्प

गोंदिया – नक्सल प्रभावित आदिवासी बहुल सालेकसा तहसील का पिपरिया लघु सिंचाई प्रकल्प प्रशासनिक अनदेखी के चलते दम तोड़ रहा है। लगभग १२०० हेक्टर सिंचाई क्षमता वाले इस प्रकल्प की ओर किसी का ध्यान नहीं होने से आदिवासी किसानों का सुजलाम् सुफलाम् खेती का सपना चूर-चूर हो रहा है। प्रकल्प का जीर्णोद्धार कर सिंचाई क्षमता बढ़ाने की मांग किसानों ने की है।

व्यवस्था उपलब्ध कराने वाले इस जलाशय की ओर प्रशासन की अनदेखी शर्म की बात है। जलाशय का बांध जीर्ण होने से झरण के माध्यम से करोड़ों का पानी बर्बाद हो रहा है। निरंतर रिसाव के कारण पानी जलाशय में चिरकाल तक टीक नहीं पाता, जिससे इसकी मरम्मत करना अनिवार्य हो चुका है।

गौरतलब है कि, जलाशय के चार नहर है, जिनमें से एक मुख्य नहर तथा तीन उपनहर है। नहरों की हालत खराब होने से सिंचाई का पानी खेतों तक पहुच पाना मुश्किल हो चुका है। इस ओर प्रशासन ने ध्यान देना अनिवार्य हो गया है। खेतों तक पहुंचने के पहले ही कैनल से पानी को इधर-उधर बर्बाद होता देख किसान भी चिंतित हो रहे है। किसानों ने बताया कि, कई बार सिंचाई विभाग को अवगत कराया गया, लेकिन प्रकल्प की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यदि यह प्रकल्प ऐसे ही अनदेखी का शिकार होता रहा तो कुछ ही दिनों में यह प्रकल्प सिर्फ सरकारी रिकॉर्ड ही शेष रहेगा।

पानी वितरक संस्था पर दारोमदार

वर्ष २००६ से यहां का पानी किसानों के खेतों तक पानी वितरक सहकारी संस्था के माध्यम से पहुंचाया जाता है। संबंधित विभाग जलाशय में संचित पानी का मापन करके संस्था से सरकारी मूल्य वसूल कर लेता है। बाकी का सारा काम पानी वितरक संस्था को संभालना पड़ता है। जो कि उचित नहीं है। अगर समय रहते इस जलाशय की ओर ध्यान नहीं दिया गया तो यह जलाशय इतिहास में जमा हो जाएगा, इसमें दो राय नहीं।

विधायक से लगाई गुहार

गोंदिया सिंचाई विभाग के अधीनस्थ इस जलाशय की सारी समस्याओं से विधायक सहसराम कोरोटे को अवगत करा दिया गया है। उन्होंने एक वर्ष पूर्व जलाशय को भेट देकर इसका निरक्षण भी किया था। इसके उत्थान हेतु उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों की बैठक भी ली थी। परंतु अभी तक कोई नतिजा सामने नहीं दिख आ पाया। प्रकल्प के जीर्णोद्धार का इंतजार किसान कर रहे हैं।

किया जा रहा है नियोजन

पिपरिया लघु सिंचाई प्रकल्प का हमने स्वयं निरीक्षण कर समस्याओं का जायजा लिया है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों से जीर्णोद्धार के संदर्भ में चर्चा हुई है। विकास कार्य मंजूर करने की दिशा में प्रयास जारी हैं। किसानों को जल्द ही खुशखबरी मिल जाएगी।

– सहषराम कोरोटे, विधायक

खुला पत्र: कौन जवाबदार, दुकानदार या प्रशासन..?

अब स्थानिक प्रशासन से जवाब चाहिए...

जीवनावश्य वस्तुओं की दुकानें, दवाईयां, किराना, सब्जी इन सभी के विक्रेताओं को कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट रखे बिना दुकान चालू करने के आदेश नहीं है। फिर भी इनकी दुकाने चालू है, प्रशासन ने इनको छूट क्यों दे रखा है, बंद क्यों नहीं करवाई इनकी दुकाने या इन पर करवाई क्यों नहीं की गयी?

इन्ही व्यापारियों में से कई व्यापारी अब पॉजेटिव आए है...

उस परिवार की क्या गलती जो कोरोना से बचने के लिए अपने घर में अपने पूरे परिवार के साथ नियमों का पूरा पालन करते हुए रह रहा है।

आम नागरिक सिर्फ किराना या सब्जी लेने घर से बाहर निकला और व्यापारी जो पॉजिटिव होने पर भी दुकानें चला रहे है के संपर्क में आने से उस परिवार को भी पाजेटिव कर दिया जो पूरे नियमों का पालन करते हुए अपने घर में सुरक्षित थे।

कोरोना टेस्ट करवाए फिर दुकान खोलें

इस आदेश के बाद जो दुकानदार बिना टेस्ट करावाए दुकान चला रहें हैं, और जिनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है, प्रशासन से निवेदन है कि उन पर उचित करवाई करें। साथ ही उन लोगों पर भी करवाई होनी चाहिए, जो इस आदेश का पालन नहीं कर रहे।

बिना रिपोर्ट आए दुकाने चालू रहने दी

जितने जिम्मेदार व्यापारी है, उतने ही जिम्मेदार प्रशासन के वे लोग भी है जिन्हें उक्त काम शासन द्वारा सौंपा गया है।

हम बंद करो बोल रहे थे, तब कुछ व्यापारियों को नियम याद आ रहे थे। उन्हीं नियमों के तहत जिन्होंने गलती की उनको सजा भी मिलना चाहिए।

ये वो लोग है जिन्होंने जनता कर्फ्यू में भी दुकाने खोली थी। वे पॉजिटिव थे, फिर भी माल बेच रहे थे, वो भी कोरोना के साथ....

– एक जागरुक नागरिक

महामानव की जयंती के अवसर पर राजस्व विभाग ने मरीजों को बांटे फल

अर्जुनी मोरगांव – महामानव भारतरत्न डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर की १३०वीं जयंती के अवसर पर अर्जुनी मोरगांव राजस्व विभाग द्वारा ग्रामीण चिकित्सालय व कोविड सेंटर में मरीजों को उपविभागीय अधिकारी शिल्पा सोनाले, तहसीलदार विनोद मेश्राम के हस्ते फल वितरित किए।

कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा का पूजन कर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन किया गया। शिवप्रसाद सदानंद जायसवाल इंडोर स्टेडियम में स्थित कोविड केयर संटर को उपविभागीय अधिकारी व तहसीलदार ने भेंट दी। वहां की परिस्थिति की जानकारी लेकर मरीजों का मार्गदर्शन किया गया। इस अवसर पर वैद्यकीय अधिकारी डॉ.देवेंद्र घरतकर, नोडल अधिकारी सुरेंद्रकुमार खोबरागड़े, डॉ.भरत लाडे, बाजार समिति के प्रशासक उद्धव मेहंदले, डॉ.कविता खोबरागड़े, डॉ.कश्यप सूर्यवंशी तथा चिकित्सालय के कर्मचारी भास्कर वाघमारे, प्रियंका मडावी, मनीषा कोटंगले, प्रियंका पंचभाई, योगेश ब्राम्हणकर, नितेश चिंतनवार, गोपाल परिहार आदि उपस्थित थे।

भारतीय जनता पार्टी दरेकसा शाखा ने मनाई १३०वीं भीम जयंती

संवाददाता दरेकसा – भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की १३०वीं जयंती सादगी पूर्ण तरीके से अभित वैद्य के निवास स्थान में भारतीय जनता पार्टी दरेकसा शाखा द्वारा मनाई गई। शंकरलाल मडावी ने मोमबत्ती प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर पूर्व उपसभापति मनोज विश्वकर्मा, सदाराम ठाकरे, दानी साखरे, राजेश कनोजे, अमित वैद्य, विनोद सोनवाने, राजेश्वर महोबे उपस्थित थे। शंकर मडावी ने डॉ.बाबासाहेब के संदर्भ में मार्गदर्शन किया। आभार प्रदर्शन राजेश कनोजे ने माना।

ऑक्सीजन लिक्विड लेकर पहुंचा टैंकर, डबल शिफ्ट में २४ घंटे चलेगा प्लांट

अदानी पावर प्लांट से बुलाये गए तकनीशियन। अब नियमित होंगी ऑक्सीजन सिलेंडर की पूर्ति

गोंदिया - विगत कई दिनों से गोंदिया जिले में मरीजों की बढती संख्या से ऑक्सीजन की भारी कमी होने से जिले की स्थिती गंभीर बनी हुयी थी। जिससे सांसद प्रफुल पटेल के निरंतर प्रयासों के बाद मरीजों को ऑक्सीजन की पूर्ति हेतु ऑक्सीजन लिक्विड का १० टन का टैंकर २० अप्रेल की रात को श्याम इंटरप्राइजेस रिफिलिंग प्लांट में निर्धारित समय पर पहुंच गया।

सांसद पटेल गोंदिया-भंडारा दोनों जिलों की स्थिति पर निरंतर ध्यान रखे हुए है। पूर्व विधायक राजेंद्र जैन से चर्चा के बाद श्याम इंटरप्राइजेस रिफिलिंग प्लांट में एक शिफ्ट में ऑक्सीजन बनाने की प्रक्रिया शुरु थी। जिससे ऑक्सीजन निर्माण की कमी होने व क्षमता अधिक न बढ़ने की जानकारी

मिलते ही, पटेल के प्रयासों से अदानी पॉवर प्लांट से तकनीशियन व कर्मचारियों को प्लांट में उपलब्ध करावाकर प्लांट को २४ घंटे शुरु रखने का कार्य किया गया। २४ घंटे ऑक्सीजन प्लांट शुरु होने से शासकीय व निजी अस्पतालों के मरीजों को इसका लाभ मिलेगा व ऑक्सीजन की कमी की समस्या दूर होगी।

सांसद पटेल की आइनॉक्स कंपनी के प्रमुख सिध्दार्थ जैन से चर्चा के बाद कल ऑक्सीजन लिक्विड से भरा १० टन का टैंकर श्याम इंटरप्राइजेस के रिफिलिंग प्लांट में पहुंच गया। जिसे राष्ट्रवादी कांग्रेस के पदाधिकारी विनीत सहारे, रौनक ठाकुर की देखरेख में खाली कराया गया।

जैन ने कहा, प्लांट में तकनीकीकर्मियों की जरुरी आवश्यकता की पूर्ति हेतु हम कटिबद्धता से सहयोग करेंगे। ऑक्सीजन की पूर्ति अब सभी अस्पतालों में नियमित हो यही हमारा प्रयास है। जिसे हम निरंतर करते रहेंगे। साथ ही लोगो को निवेदन है कि वे अपने परिवार व अपने आप को सुरक्षित रखने हेतु घर पर रहकर कोरोना की गंभीर परिस्थिती को नियंत्रण में लाने के लिये सरकार के नियमों का पालन करें।

उपविभागीय अधिकारी के सकारात्मक पहल से ऑक्सीजन प्लांट दो शिफ्ट में शुरु

गोंदिया - कोरोना संक्रमण के बढ़ने से गोंदिया में ऑक्सीजन की कमी हो रही थी। जिसे दूर करने की एक सकारात्मक पहल गोंदिया की उपविभागीय अधिकारी वंदना सवरंगपते ने करते हुए ऑक्सीजन प्लांट का कार्य शिफ्टों में शुरु करवाया। जिससे काफी हद तक ऑक्सीजन की कमी दूर हुई है।

संकट की इस घड़ी में यदि सकारात्मक कार्य करने का ठान ले तो अनेक मार्ग खुल जाते हैं। इसे साबित कर दिखाया गोंदिया की उपविभागीय अधिकारी वंदना सवरंगपते, अपर तहसीलदार अनिल खड़तकर, तहसीलदार आदेश डफर ने। गोंदिया में ऑक्सीजन की कमी को देखते हुए एक सराहनीय कार्य करते हुए गोंदिया के श्याम इंटरप्राइजेस ऑक्सीजन रिफिलिंग प्लांट में सिर्फ एक शिफ्ट में काम हो रहा था। जिससे आवश्यकता के अनुसार ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही थी। यहां तकनीकी मनुष्यबल की कमी सामने आने पर जिला अधिकारी के निर्देशानुसार तिरोड़ा के अदानी पावर प्लांट से तकनीशियन के साथ ही अन्य कामगार उपलब्ध करवाकर रिफिलिंग प्लांट में दो शिफ्टों में काम शुरु करवाया। जिससे ऑक्सीजन की कमी काफी हद तक दूर हो गई। यदि अधिकारी ठान ले तो असंभव कार्य को भी संभव कर दिखाते हैं, ऐसा ही उदाहरण गोंदिया की उपविभागीय अधिकारी वंदना सवरंगपते तहसीलदार अनिल खड़तकर, आदेश डफर ने कर दिखाया तथा ऑक्सीजन निर्माण का कार्य बाधित ना हो इसके लिए सभी कर्मचारियों के रहने, भोजन की व्यवस्था भी की। जिसकी सराहना शहरवासियों द्वारा की जा रही है।

१८ वर्ष से अधिक आयु के लोगों के टीकाकरण के निर्णय पर सीएम ने दिया प्रधानमंत्री को धन्यवाद

मुंबई – कुछ दिन पहले, मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध किया था कि वह देश में २५ वर्ष से कम उम्र के लोगों का टीकाकरण करने की आवश्यकता पर निर्णय लें। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि सकारात्मक कदम उठाने और १८ साल से कम उम्र के सभी का टीकाकरण करने के अपने फैसले की घोषणा करने के लिए प्रधानमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को धन्यवाद देना चाहते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य में इस संबंध में पर्याप्त योजना बनाई जाएगी और समय पर वैक्सीन की आपूर्ति की जायेगी।

गोंदिया जिले से लगी मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ की सीमाएं सील

गोंदिया जिले में बढ़ते कोरोना संक्रमण के चलते छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से जिले में हो रहे आवागमन की रोकथाम के लिए प्रतिबंधक उपाय योजना के तहत दोनों राज्यों से आने वाले प्रवासियों जिलाधिकारी ने रोक लगा दी है। अति आवश्यक कार्य के लिए आने वाले नागरिकों को कोरोना जांच की आरटीपीसीआर रिपोर्ट नेगेटिव दिखानी होगी। जिसके लिए दोनों राज्यों की सीमा के चेकपोस्ट पर स्वास्थ्य कैंप व पुलिस सुरक्षा व्यवस्था लगाने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए हैं।

जिलाधिकारी व आपदा प्रबंधन अधिकारी दीपककुमार मीणा ने १७ अप्रैल को दोनों राज्यों से आने वाले यात्रियों की रोकथाम के लिए कड़े नियम जारी किए हैं। इस आदेश के तहत मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ राज्य के प्रवासी गोंदिया जिले में कोरोना की नेगेटिव रिपोर्ट दिखाएं बगैर प्रवेश नहीं कर सकते। इस आदेश के तहत जीवनावश्यक वस्तुओं के परिवहन व एम्बुलेंस सेवा बाधित नही होगी।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई को प्रभावी बनाने अजीत पवार के साथ बैठक में फैसला

जिला नियोजन समिति की ३० प्र.श. निधि कोरोना उपचार के लिए उपयोग की अनुमति

निजी अस्पताल की सुविधा प्राप्त संभागीय आयुक्तों को व्यय स्वीकृत करने का अधिकार

मुंबई – कोरोना संकट के खिलाफ लड़ाई को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जिला नियोजन समिति की ३० प्रतिशत राशि का उपयोग कोरोना रोकथाम उपायों के लिए करने की अनुमति दी जाएगी। रेमडेसीविर, दवा वितरकों के माध्यम से सीधे अस्पतालों में पहुंचाई जाएगी, खुदरा विक्रेताओं के माध्यम से नहीं। वहां केवल जरुरतमंद मरीजों का इस्तेमाल किया जाएगा। कलेक्टर इसे नियंत्रित करेंगे। अगले पखवाड़े कोरोना के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण है, इस समय के दौरान रोगियों को बेड, वेंटिलेटर, ऑक्सीजन, उपचार आदि का प्रावधान युद्धस्तर पर किया जाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने आज आश्वासन दिया कि इस लड़ाई के लिए धन और जनशक्ति को कम नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई को गति देने के लिए अधिग्रहण किए गए निजी अस्पतालों में सुविधाओं की लागत को मंजूरी देने के लिए संभागीय आयुक्तों को सशक्त बनाया जाएगा।

राज्य में निवारक उपायों की समीक्षा के लिए उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की अध्यक्षता में आज मंत्रालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे, स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे, राज्य मंत्री राजेन्द्र पाटिल-यद्रावकर (दोनों वीसी के माध्यम से), राज्य मंत्री प्राजक्त तानपुरे, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त मनोज सौनिक, योजना के अतिरिक्त मुख्य सचिव देबाशीष चक्रवर्ती स्वास्थ्य सचिव प्रदीप व्यास और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

राज्य में स्थिति की समीक्षा करने के बाद, उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में राज्य में कोरोना मामलों की संख्या बढ़ रही है। रोगियों की यह बढ़ती संख्या स्वास्थ्य प्रणाली पर दबाव डाल रही है। फिर भी पूरा सिस्टम युद्धस्तर पर काम कर रहा है। उपचार के लिए आवश्यक बिस्तरों की संख्या बढ़ाई जा रही है। निजी अस्पतालों में बिस्तर सरकार द्वारा

अधिग्रहित किए गए हैं। ऑक्सीजन की आपूर्ति में सुधार के प्रयास चल रहे हैं। अस्पतालों की ऑक्सीजन की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, ऑक्सीजन संयंत्र, तरल ऑक्सीजन संयंत्र, हवा से ऑक्सीजन बनाने वाले पौधों को आवश्यकतानुसार और उपलब्धता के अनुसार स्थापित किया जाना चाहिए। इसके लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, जन स्वास्थ्य विभाग, राज्य आपदा राहत बल (एसडीआरएफ), जिला नियोजन योजना से धन उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि महाराष्ट्र नगर योजना और जिला नियोजन योजना के तहत बिजली और गैस के अधिकार के लिए नगर निगमों और नगर पालिकाओं को धनराशि प्रदान की जानी चाहिए।

बैठक ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई के लिए जिला नियोजन समिति से ३० प्रतिशत धनराशि को चरणों में खर्च करने की अनुमति देने का निर्णय लिया। कलेक्टर को रेमडेसीविर इंजेक्शन के वितरण को नियंत्रित करने की अधिकार दिया गया है, जो कोरोना रोगियों के उपचार के लिए उपयोगी हैं। उनकी खुदरा बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, ताकि वे रेमडेसीविर इंजेक्शन की बिक्री में अवैध को रोक सकें। इन दवाओं को वितरकों के माध्यम से सीधे अस्पतालों में पहुंचाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने उपचारात्मक इंजेक्शन के उपयोग के संबंध में उचित विनियम तैयार करने का भी निर्देश दिया।

कोरोना रोगियों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर, प्रशासन ने कोरोना पीड़ितों के इलाज के लिए निजी अस्पतालों में बेड का अधिग्रहण किया है। संभागीय आयुक्तों को सरकार द्वारा अधिग्रहित निजी अस्पतालों के लिए आवश्यक मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए आवश्यक धनराशि खर्च करने का अधिकार होगा। बैठक में, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने राज्य में कोरोना रोगियों को आवश्यक उपचार और आवश्यक मशीनरी और उपकरण प्रदान करने का निर्देश दिया।

विधायक विनोद अग्रवाल, परिणय फुके व डॉ.बाहेकर के प्रयासों से

नागपुर, राजनांदगांव व बालाघाट से ऑक्सीजन की तत्काल आपूर्ति

गोंदिया - शासकीय मेडिकल कॉलेज में १५ अप्रैल की रात ऑक्सीजन खत्म हो जाने की जानकारी जनप्रतिनिधियों जिसमें विधायक विनोद अग्रवाल, परिणय फुके व गोंदिया शहर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.दीपक बाहेकर को मिलते ही वे अपने-अपने स्तर पर तत्काल शासकीय चिकित्सालय के लिए ऑक्सीजन की व्यवस्था में जुट गए।

विधायक विनोद अग्रवाल रात में ही शासकीय चिकित्सालय पहुंचकर गंभीर स्थिति का जायजा लिया। तत्काल छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को फोन द्वारा शहर की गंभीर स्थिति से अवगत कराकर गोंदिया से राजनांदगांव ऑक्सीजन लेने गये वाहन में तत्काल ऑक्सीजन की व्यवस्था करवाने की गुहार लगाई। जिस पर पूर्व मंत्री अग्रवाल द्वारा रात में १.३० बजे के दौरान ऑक्सीजन प्लांट तत्काल शुरु करवाकर गोंदिया के लिए ९० ऑक्सीजन सिलेंडर भरवा कर भिजवाए गये। इसके अलावा विधायक परिणय फुके को इस गंभीर स्थिति की जानकारी मिलने पर भंडारा सनफ्लैग कंपनी से रातोंरात १०० सिलेंडर भरवा कर भिजवाने की व्यवस्था करवाई गयी। वे देर रात तक इस संदर्भ में अधिकारियों के संपर्क में थे।

विधायक विनोद अग्रवाल व वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.दीपक बाहेकर ने इस गंभीर परिस्थिति से लड़ने के लिए मध्यप्रदेश पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन से रात में मोबाइल से संपर्क कर तत्काल ऑक्सीजन की व्यवस्था करवाने के लिए मदद मांगी। जिस पर गौरीशंकर बिसेन द्वारा बालाघाट से ४० सिलेंडर की व्यवस्था करवा कर गोंदिया भिजवाए गये। विशेष यह कि उपरोक्त कार्य के लिए विधायक विनोद अग्रवाल, परिणय फुके व डॉक्टर बाहेकर ने तत्काल सराहनीय कार्य किया।

इसके अलावा शहर के निजी चिकित्सालय में भी ऑक्सीजन की भारी कमी की जानकारी सामने आ रही थी। इस संदर्भ में निजी चिकित्सकों ने विधायक विनोद अग्रवाल से संपर्क कर ऑक्सीजन पूर्ति करने की मांग की। जिस पर विनोद अग्रवाल ने महेश ट्रेडिंग कंपनी से चर्चा कर सिलेंडर उपलब्ध करवाएं।

शुक्रवार तक लिक्विड ऑक्सीजन गोंदिया में होगा उपलब्ध

गोंदिया शहर में लिक्विड ऑक्सीजन की कमी हो जाने से जीवनरक्षक ऑक्सीजन गैस का निर्माण नहीं हो पा रहा था। इस संदर्भ में विनोद अग्रवाल द्वारा तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क कर शहर में लिक्विड ऑक्सीजन की आपूर्ति करने का आदेश दिया गया था। जिस पर शुक्रवार शाम तक एक टैंकर लिक्विड ऑक्सीजन गोंदिया पहुंच जाएगा, जिससे एक-दो दिन के लिए ऑक्सीजन की व्यवस्था हो जाएगी। देर रात तक हॉस्पिटल में डटे रहे विधायक अग्रवाल

शासकीय चिकित्सालय में इस गंभीर परिस्थिति के चलते व्यवस्थाओं को सुचारु करने के लिए विधायक विनोद अग्रवाल रात ३ बजे तक शासकीय चिकित्सालय में उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं को सुचारु करने का प्रयास किया। साथ ही इस गंभीर परिस्थिति में तत्काल सहयोग देने पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल व मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन के प्रति आभार व्यक्त किया।

वैद्यकीय अधिकारी व स्वास्थ्य कर्मियों पर हमले का निषेध

स्वास्थ्यकर्मियों ने कार्रवाई की मांग की

अनिल मुनीश्वर - सड़क अर्जुनी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत वैद्यकीय अधिकारी विनोद भूते व अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों पर कार्य के दौरान हमला कर मारपीट करने के मामले में दोषी पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर स्वास्थ्यकर्मियों पर होने वाले हमले का निषेध कर इसका ज्ञापन जिला अधिकारी के नाम उपविभागीय अधिकारी सड़क अर्जुनी को सौंपा।

ज्ञापन में मांग की गई कि स्वास्थ्य कर्मचारियों पर इस संकटकाल के दौरान हमला होने से उनमें असुरक्षा की भावना निर्माण हो रही है। विशेष यह है कि डॉक्टर भूते गत १२ वर्षों से मानधन पर नियमित काम कर रहे हैं तथा तहसील स्वास्थ्य अधिकारी की अनुपस्थिति में तहसील स्वास्थ्य अधिकारी का प्रभारी पद का कार्य भी उत्कृष्ट तरीके से संभाल रहे हैं। लेकिन १५ अप्रैल को कोविड सेंटर में उन पर हमला होना निंदनीय है। जिससे अन्य स्वास्थ्यकर्मियों में खलबली मच गई है। जिसके चलते आरोपी पर कड़ी कार्रवाई की मांग का ज्ञापन स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा दिये गये ज्ञापन में डॉ. विनोद भूते, डॉ. डोंगरे सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित थे।

कोरोना संक्रमित मृतको के शव नहीं उठाएंगे

नगर पंचायत सफाई कर्मचारियों ने उपविभागीय अधिकारी को दिया ज्ञापन

संतोष रोकड़े - जिले में कोरोना संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। जिससे मरनेवालों की संख्या में भी बढ़ोतरी हो रही है। इस परिस्थिति में कोरोना मरीजों की मौत होने पर डॉक्टर भी डर रहे हैं। कोरोना से मृतकों के शव का अंतिम संस्कार स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा करवाया जा रहा है। लेकिन स्वास्थ्य कर्मचारियों को इसके लिए आवश्यक सुरक्षा सामग्री उपलब्ध नहीं कराई गई। जिसके चलते उन पर व उनके परिवार पर भी कोरोना का संकट मंडरा सकता है। इसे देखते हुए नगर पंचायत अर्जुनी मोरगांव के सफाई कर्मचारियों ने उपविभागीय अधिकारी को ज्ञापन देकर कोरोना संक्रमितों के शवों को उठाने से मना किया है। साथ ही मांग की कि उनकी नियुक्ति शहर को स्वच्छ करने के लिए की गई है, लेकिन वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उन्हें काम से निकालने की धमकी दी जा रही है। यदि इस दौरान उनके जीवन पर संकट आया तो उनके परिवार की जिम्मेदारी कौन लेगा? यह एक गंभीर प्रश्न है। जिसके लिए जिला अधिकारी के नाम उपविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे को भी निवेदन दिया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अर्जुनी मोरगांव के सभी सफाई कर्मचारी उपस्थित थे।

जनप्रतिनिधियों, डॉक्टर, पुलिस, पत्रकारों और सामाजिक संस्थाओं से कोरोना काल में लोगों की जान बचाने का प्रयास करने का अपील छैलबिहारी अग्रवाल ने की

गोंदिया - विदर्भवादी नेता छैलबिहारी अग्रवाल ने मार्मिक अपील करते हुए कहा कि जिस तरह प्रतिदिन कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है, दवाइयां, ऑक्सीजन की कालाबाजारी हो रही है, लाशों के ढेर लग रहे हैं, चिकित्सालयों में मरीजों को भर्ती करने के लिए बेड उपलब्ध नहीं हो रहे है, फिर भी इस गंभीर परिस्थिति का फायदा उठाने की कोशिश की जा रही है। ऐसी शिकायतें इस महामारी काल में अच्छी बात नहीं है। इन परिस्थितियों पर अंकुश लगाने के लिए जनप्रतिनिधियों, डॉक्टर, पुलिस, पत्रकार और सामाजिक संस्थाएं मिलकर अंकुश लगाने का प्रयास करें।

अग्रवाल ने कहा कि अनेक परिवारों के जिम्मेदार सदस्य दुनिया से जा रहे हैं, जिसके कारण स्थिती गंभीर हो चुकी है तथा बेबसी का दौर शुरु हो चुका है, जो हमारे गौरवशाली राष्ट्र के लिए और परिवार के लिए घातक है। इस बात को हम सभी ने समझकर अपने फर्ज पर जुट जाना चाहिए। स्थितियां खराब हो रही है क्योंकि, प्रत्येक व्यक्ति कम मेहनत और योग्यता के बावजूद अधिक कमाने की चाह रखता है। जबकि प्रत्येक व्यक्ति को यह समझ लेना चाहिए कि वह अपनी मेहनत और अपने अधिकार से अधिक की चाहत ना रखें, यदि सिर्फ इतना हमने तय कर लिया तो यह देश सुधर जाएगा। छैलबिहारी अग्रवाल ने अपनी इस अपील के साथ कहा कि कोरोना काल में हम सभी को मिलकर इस गंभीर महामारी से लड़ने के लिए आगे आना चाहिए, जिससे इस लड़ाई में मदद हो सके।

महाराष्ट्र में लॉकडाऊन का विरोध कर रहे देवेन्द्र फडणवीस शिवराज सिंह चौहान से पूछ रहे, मध्यप्रदेश में लॉकडाऊन क्यों?- मुकेश शिवहरे

प्रदेश सरकार हर हाल में व्यापक व्यवस्थाएं बनाने प्रयासरत

गोंदिया - संपूर्ण महाराष्ट्र प्रदेश में सबसे ज्यादा गंभीर स्थिति और कोरोना का हमला पुरा महाराष्ट्र प्रदेश झेल रहा है, ऐसी स्थिति में राज्य में स्थितियां नियंत्रण करने के लिए लॉकडाऊन जरुरी था। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के नेता हर हाल में राजनीति करने पर उतारु हैं। एक तरफ वो अन्य दलों की सरकार बन जाए तो खरीद फरोख्त करके अपनी सरकार बनाने का प्रयास करते हैं, तो वहीं अपने विश्वासपात्र और भ्रष्ट नौकरशाहों के माध्यम से सरकारों पर झुठे आरोप लगाकर सरकार की छबी खराब करना चाहते हैं। जबकि स्वयं भाजपा के नेताओं को जब सत्ता में रहने का मौका मिलता है तो वो आम जनता और किसान, मजदूरों के लिये कुछ नहीं करते। बल्कि कुछ चंद उद्योगपतियों के हाथों राज्य और देश की अस्मत बेचने पर उतारु हो जाते हैं। ऐसा निशाना गोंदिया जिले के शिवसेना जिलाप्रमुख मुकेश शिवहरे ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस पर लगाया है।

मुकेश शिवहरे ने कहा कि महाराष्ट्र विकट परिस्थितियों से जुझ रहा है, लेकिन ऐसे समय में भी भाजपा राजनीति और षडयंत्र कर रही है। शिवहरे ने कहा कि देवेन्द्र फडणवीस बार-बार लॉकडाऊन का विरोध कर रहे हैं, तो हम पूछना चाहते हैं कि लॉकडाऊन के लिये नीतियां अलग-अलग होगी क्या? जो सवाल फडणवीस उद्धव ठाकरे से करना चाहते हैं, वही सवाल वे पहले शिवराज सिंह चौहान से क्यों नहीं कर सकते? शिवहरे ने कहा कि मध्यप्रदेश में भी लॉकडाऊन लगाया गया और वहां पर जिले की परिस्थितियों के अनुसार लॉकडाऊन लगाया जा रहा है। जबकि मध्यप्रदेश में कोरोना वायरस का कहर महाराष्ट्र से बहुत कम है। महाराष्ट्र जैसे बड़े प्रदेश में जितनी व्यापक व्यवस्थाओं की जरुरत है, उसके लिये लॉकडाउन आवश्यक हो गया है। हॉस्पिटलों में अब बेड नहीं मिल पा रहे हैं, ऑक्सीजन सिलेंडर और रेमडेसीविर जैसे उपयोगी इंजेक्शन की कमी है, जिसके इंतजाम करने के प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार पुरी मुस्तैदी से लगी हुई है, लेकिन ऐसे समय में भी फडणवीस का राजनीति करना यह साबित करता है कि आम जनता को भारतीय जनता पार्टी को अच्छी तरह से समझ लेना चाहिये। शिवहरे ने कहा कि फडणवीस कितने भी जतन कर लें, उनकी दुषित मानसिकता कामयाब होने वाली नहीं है।

वैद्यकीय कर्मचारियों की सुरक्षा व बेड आरक्षित करने सहित विभिन्न मांगों का ज्ञापन पालक मंत्री को राज्य वैद्यकीय राजपत्रित अधिकारी संघटना ने दिया

गोंदिया - कोरोना महामारी के दौरान वैद्यकीय अधिकारी रात-दिन अपनी जान पर खेलकर मरीजों का उपचार कर रहे हैं। लेकिन इस दौरान उन पर मरीजों के परिजनों द्वारा हमला भी किया जा रहा है।

सड़क अर्जुनी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत डॉ. विनोद भुते व अन्य कर्मचारियों पर हमला हो चुका है। जिसके चलते वैद्यकीय अधिकारियों व कर्मचारियों को जिलास्तर पर सुरक्षा प्रदान की जाए तथा भानपुर स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत स्वास्थ्य सेवक को कोविड-१९ के दौरान बेड न मिलने से उसकी मौत हो गई, जिसके लिए जिले में स्वास्थ्य कर्मियों के लिए सरकारी व निजी चिकित्सालय में ५० बेड आरक्षित किए जाए। इन प्रमुख मांगों के साथ अपनी अन्य मांगे जिसमें स्वास्थ्य अधिकारियों व कर्मचारियों को १ दिन का साप्ताहिक अवकाश दिया जाए, सभी स्वास्थ्य अधिकारियों व कर्मचारियों का इस महामारी के दौरान सेवाकाल का विशेष पंजीयन कर विशेष वेतनमान दिया जाए, स्वास्थ्य सेवा में रिक्त पदों को तत्काल भरा जाए आदि मांगों का ज्ञापन राजपत्रित वैद्यकीय संघटना के पदाधिकारियों द्वारा जिले के पालकमंत्री नवाब मलिक, गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल व जिला अधिकारी दीपक मीणा को देकर मांग की गई है।

इस अवसर पर संघटना के डॉ. वेदप्रकाश चौरागडे, डॉ.नितिन कापसे, डॉ.अनंत चांदेकर, डॉ.विनोद चौहान, डॉ.ललित कुकड़े, डॉ.मनोज राउत, डॉ.एस.टी. कोटांगले, डॉ.टेंभूरने सहित बड़ी संख्या में संघटना के पदाधिकारी उपस्थित थे।

शासकीय चिकित्सालय में ऑक्सीजन की कमी

पार्षद लोकेश यादव के प्रयास से मिला ऑक्सीजन

गोंदिया - कोरोना का कहर बढ़ता ही जा रहा है। जिससे ऑक्सीजन की भारी कमी सामने आ रही है। इसी के चलते १६ अप्रैल की रात ९ के दौरान शासकीय चिकित्सालय में ऑक्सीजन खत्म होने की जानकारी पार्षद लोकेश यादव को मिलते ही इस संदर्भ में मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नरेश तिरपुडे व जिला शल्य चिकित्सक डॉ. अमरीश मोहबे से फोन पर चर्चा की। लेकिन उनके द्वारा भी इस संदर्भ में जिला प्रशासन को ही दोषी ठहराया गया तथा तत्काल ऑक्सीजन व्यवस्था करने के लिए जिला अधिकारी व सप्लायर मित्तल से संपर्क करने के लिए कहा।

जिस पर लोकेश यादव ने सप्लायर मित्तल से संपर्क कर गुहार लगाते हुए तत्काल ऑक्सीजन की व्यवस्था करने के लिए कहा। जिस पर मित्तल द्वारा ऑक्सीजन की व्यवस्था की गई। पार्षद यादव ने अपने १०-१५ सहयोगीयों के साथ मिलकर स्वयं फेक्ट्री से सिलेंडरों को वाहनों पर लादकर शासकीय चिकित्सालय पहुंचाया। उनके इस सराहनीय कार्य से बड़ी संख्या में मरीजों की जान बचायी जा सकी।

उल्लेखनीय है कि यादव द्वारा १६ अप्रैल को ही शासकीय चिकित्सालय में महाकाल सेवा समिति के माध्यम से २४ घंटे शुरु रहनेवाला सहायता केंद्र शुरु किया गया है। सहायता केंद्र पर जानकारी मिलते ही तत्काल वे अपने सहयोगियों के साथ पहुंचकर ऑक्सीजन की व्यवस्था में लग गए। इस मामले में गोंदिया के सामाजिक उद्देश्य से बनाया गया व्हाट्सएप्प ग्रुप गोंदिया विधानसभा के सक्रिय सदस्यों का भी काफी योगदान रहा, जिन्हांने इस गंभीर स्थिति की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों व अन्य जनप्रतिनिधियों को दी। लेकिन लोकेश यादव ही सबसे पहले पहुंचकर अपना सेवा कार्य शुरु किया।

कोरोना व कोविड-१९ मरीजों के लिए बिस्तरों की संख्या में करें बढ़ोतरी -पंकज यादव

जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर की मांग

गोंदिया जिले में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हो रही है। जिसके लिए कोरोना जांच आरटीपीसीआर की संख्या बढ़ायी जाए तथा कोविड-१९ के मरीजों की संख्या को देखते हुए चिकित्सालय में बिस्तरों की संख्या बढ़ाने की मांग शिवसेना के जिला समन्वयक पंकज यादव ने जिला अधिकारी को ज्ञापन देकर मांग की है। गोदिया जिले में बढ़ रहे कोरोना वायरस के चलते मरीजों को जल्द से जल्द उपचार की आवश्यकता है। जिसके लिए गत वर्ष के अनुसार स्कूल, भवन व अन्य स्थानों पर व्यवस्था को बढ़ाया जाए। जिससे शहर व जिले के नागरिकों को राहत मिले। ऐसी मांग का ज्ञापन जिला अधिकारी को देकर पंकज यादव ने की है।

क्या आप परेशान हैं?

शादी से पहले, शादी के बाद की कमजोरी
उम्र की अधिकता से सेक्स में कमजोरी
नि:संतान, स्वप्नदोष, इंद्रिय का छोटापन
टेढ़ापन, शिथिलता, शुगर से आयी कमजोरी
आदि समस्याओं के ईलाज के लिए...

डॉ.सुशील गेडाम
बी.ए.एम.एस., एस.एच.सी.
धनवंतरी आयुर्वेदिक दवाखाना
शॉप नं.31, राजलक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, पाल चौक, गोंदिया

हर रविवार सुबह 11 से 4 बजे

संपर्क क्र.: 7879453857, 8964889608

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।